पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने भाऊराव देवरस सेवा न्यास की अर्द्धवार्षिक पत्रिका 'सेवा चेतना योग विशेषांक' का विमोचन किया

योग मन और शरीर दोनों को स्वस्थ रखता है - श्री नाईक

लखनऊ: 21 जून, 2019

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज राजभवन में भाऊराव देवरस सेवा न्यास की अर्द्धवार्षिक पत्रिका 'सेवा चेतना योग विशेषांक' का विमोचन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पद्मश्री बह्मदेव शर्मा (भाई जी), कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री जयकृष्ण सिन्हा मुख्य स्थायी अधिवक्ता, पत्रिका के सम्पादक डा0 विजय कर्ण, श्री प्रशान्त भाटिया व अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे।

राज्यपाल ने विशेषांक लोकार्पण को अतिमहत्वपूर्ण बताते हुये प्रसन्नता व्यक्त की कि विशेषांक का लोकार्पण राजभवन में हो रहा है। आज योग दिवस के अवसर पर पूरे विश्व को योग का विराट दर्शन हुआ है, जिसमें राजभवन भी सहभागी रहा है। भारत सहित विश्व के लगभग 200 देशों में योग दिवस मनाया गया है। योग विशेषांक का लोकार्पण वास्तव में उसी का एक सूक्ष्म दर्शन है जो विचार करने के लिये बाध्य करता है। योग मन और शरीर दोनों को स्वस्थ रखता है। उन्होंने कहा कि मन और शरीर के समन्वय से शांति मिलती है। श्री नाईक ने कहा कि हमें अपनी परम्परा और संस्कृति को पहचानने की जरूरत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जिस प्रकार योग को विश्व मंच पर रखा, वह सराहनीय है। भारत से जाकर लोगों ने योग की महत्ता पूरे विश्व में फैलायी। विशेषांक ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे तभी कार्यक्रम की सार्थकता बढ़ती है। उन्होंने बताया कि उनकी संस्मरणात्मक पुस्तक 'चरैवेति!चरैवेति!!' का अब तक 10 भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। 27 जून 2019 को मुंबई में ब्रेल लिपि हिन्दी, मराठी एवं अंग्रेजी में पुस्तक का लोकार्पण होगा। 30 जून 2019 को पुणे विश्वविद्यालय पुणे में पुस्तक के जर्मन तथा 6 जुलाई को असमिया भाषा संस्करण का राजभवन आसाम में लोकार्पण होगा। उन्होंने कहा कि 'चरैवेति!चरैवेति!!' के मर्म में ही सफलता निहित है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री जयकृष्ण सिन्हा ने कहा कि योग विशेषांक पुस्तिका पाठकों के लिये बहुमूल्य है। भारत देश विश्व गुरू बन रहा है, आज उसकी झांकी देखी जा रही है। सम्पूर्ण विश्व योग से जुड़ गया है। आत्मा और परमात्मा तक पहुंचने का साधन है योग। उन्होंने कहा कि योग मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने का काम करता है।

पद्मश्री ब्रहमदेव शर्मा (भाई जी) ने भाऊराव देवरस के जीवन पर प्रकाश डालते हुये पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिये बधाई दी। पत्रिका के सम्पादक डा0 विजय कर्ण ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुये विशेषांक के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

अंजुम/ललित/राजभवन (213/29)

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित अर्द्धवार्षिक पत्रिका
सेवा चेतना